भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 789

29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल रोग का उपचार

789. डॉ. शशि थरूर:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में सिकल सेल रोग से पीड़ित लोगों की राज्य-वार संख्या कितनी है;
(ख) लगातार उपचार प्राप्त करने वाले प्रभावित लोगों का प्रतिशत कितना है और कितने प्रतिशत लोग उपचार छोड़ चुके हैं और उन्होंने किस चरण पर उपचार बीच में छोड़ा है;
(ग) क्या सरकार ने सिकल सेल रोग के बारे में मिथक को दूर करने और लोगों को इस रोग का समय पर निदान कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता अभियान आयोजित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार की योजना सिकल सेल रोग के लिए नवजात शिशुओं की जांच में वृद्धि करने की है क्योंकि यह कार्ययोजना देश में कम लागत और अधिक लाभ देने वाली होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश से सिकल सेल रोग उन्मूलन के लिए सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन को शुरू किया गया है। मिशन के उद्देश्यों में सभी सिकल सेल रोगग्रस्त रोगियों के लिए सस्ती और सुलभ देखभाल का प्रावधान, सिकल सेल रोग से पीड़ित रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण देखभाल और जागरूकता सृजन के माध्यम से सिकल सेल रोग के प्रसार में कमी लाना, वर्ष 2025-26 तक आदिवासी क्षेत्रों के प्रभावित 278 जिलों में 0-40 वर्ष के आयु वर्ग के 7 करोड़ लोगों की लक्षित जांच और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से परामर्शी

सेवाएं प्रदान करना शामिल है। दिनांक 24.11.2024 की स्थिति के अनुसार, 17 चिन्हित राज्यों में कुल 4,75,42,776 लोगों की जांच की गई है और इसे राज्यों द्वारा पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

सिकल सेल रोग से पीड़ित लोगों की राज्य-वार कुल संख्या **अनुलग्नक-I** में संलग्न है।

चिकित्सा अधिकारी उन रोगियों को हाइड्रोक्सीयूरिया दवाएं लिखते हैं जिन्हें नियमित रूप से इसकी आवश्यकता होती है। हाइड्रोक्सीयूरिया का उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों की कुल संख्या **अनुलग्नक -II** में दी गई है। (स्रोत- एनएससीएईएम पोर्टल)।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जागरूकता और परामर्श सामग्री का निर्माण किया गया है। रोग, स्क्रीनिंग और प्रबंधन के बारे में जागरूकता के प्रचार-प्रसार के लिए आईईसी और मीडिया कार्यकलापों को अपनाया जाता है। प्रत्येक सिकल सेल जांच शिविर में जागरूकता कार्यकलाप भी चलाए जाते हैं। राज्य सरकारें मिशन के कार्यकलापों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

दिनांक 29.11.2024 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारकिंत प्रश्न सं. 789 के उत्तर के भाग (क) से (घ) के लिए संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक-I

दिनांक 24.11.2024 की स्थिति के अनुसार सिकल सेल रोग से पीड़ित लोगों का राज्यवार विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	सिकल सेल वाहक मामलों की संख्या	सिकल सेल रोगग्रस्त मामलों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	19,375	1,706
2	असम	1,321	258
3	बिहार	4	1
4	छत्तीसगढ़	3,18,317	25,378
5	गुजरात	1,68,715	5,740
6	झारखंड	2,899	2,149
7	कर्नाटक	4,592	564
8	केरल	4,326	1,167
9	मध्य प्रदेश	1,64,869	25,307
10	महाराष्ट्र	1,46,663	19,296
11	ओडिशा	3,66,289	88,324
12	राजस्थान	7,890	2,947
13	तमिलनाडु	8,916	495
14	तेलंगाना	5,368	836
15	उत्तर प्रदेश	95	18
16	उत्तराखंड	94	2
17	पश्चिम बंगाल	34,301	5,422
	कुल	**12,54,034**	**1,80,610**

अनुलग्नक-II

हाइड्रोक्सीयूरिया का लगातार उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों का राज्यवार विवरण (जैसा कि राज्यों द्वारा सूचित किया गया है)

क्र.सं.	राज्य का नाम	**हाइड्रोक्सीयूरिया लेने वाले मरीजों की संख्या**
1	आंध्र प्रदेश	835
2	असम	8
3	बिहार	0
4	छत्तीसगढ	18,243
5	गुजरात	6,058
6	झारखंड	62
7	कर्नाटक	66
8	केरल	1,244
9	मध्य प्रदेश	9,300
10	महाराष्ट्र	4,610
11	ओडिशा	20,626
12	राजस्थान	203
13	तमिलनाडु	301
14	तेलंगाना	33
15	उत्तर प्रदेश	0
16	उत्तराखंड	0
17	पश्चिम बंगाल	599
	कुल	**62,188**

*****